

दंतेवाड़ा ज़िले के बारसूर में राज्य का पहला मॉडल हाट-बाज़ार शुरू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ का पहला एंट्री-एक्ज़िट द्वार वाला मॉडल हाट-बाज़ार दंतेवाड़ा ज़िले के गीदम विकासखंड अंतर्गत बारसूर में शुरू किया गया।

प्रमुख बिंदु

- ज़िला प्रशासन की पहल से ग्रामीणों को सर्व सुविधा उपलब्ध कराने हेतु इस मॉडल हाट-बाज़ार का निर्माण किया गया है।
- पहली बार हाट-बाज़ार में एंट्री और एक्ज़िट हेतु सुनियोजित द्वार बनाए गए हैं, जहाँ ग्रामीणों या व्यापारियों द्वारा लाए गए सामान या उत्पाद को वज़न किया जाता है, जिससे ग्रामीण निर्धारित कीमत पर सामान का विक्रय कर सकें।
- इसके साथ ही एक्ज़िट द्वार पर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उन्हें उनके सामानों का उचित मूल्य प्राप्त हुआ है या नहीं।
- मॉडल हाट-बाज़ार होने से छोटे व्यापारियों के लिये वज़न मशीन द्वारा लाए गए सामानों की वज़न कर स्थानीय बोली में बताया जाता है।
- हाट-बाज़ार में ही खाद्य सामग्री को सुरक्षित रखने हेतु ड्राई व कोल्ड स्टोरेज की सुविधा दी गई है, ताकि बिक्री के बाद बची हुई सामग्री को अगले बाज़ार तक सुरक्षित रखा जा सके।
- मॉडल हाट-बाज़ार से लगभग 200 व्यापारियों को लाभ मिल रहा है। हाट-बाज़ार स्थल पर ही मुख्यमंत्री हाट-बाज़ार क्लीनिक योजना का संचालन भी किया जा रहा है।
- गौरतलब है कि बिस्तर अंचल में हाट-बाज़ार का अपना एक अलग ही महत्त्व है। हाट-बाज़ार को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा माना जाता है।